



ASVP

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA

(UGC Peer Reviewed Referred Journal)

Chief Patron :

Prof. Kalplata Pandey

Vice- Chancellor, Jannayak Chandra Shekhar University, Ballia (U.P.) India

Patron:

Prof. (DR.) Shorosimohan Dan

(Former Pro-Vice Chancellor & Former Vice Chancellor, The University of Burdwan, Former Visiting Research Fellow, University of New South Wales, Sydney, Australia, Life Member, IIPA, New Delhi).

Vice- Chancellor, Post Graduate and Research Institute. Dakhsin Bharat Hindi Prachar Sabha, Tyagrai Nagar, Chennai (Tamilnadu) India

President:

DR. Ram Naresh Yadav

Asso. Prof., Deptt. Of Sociology, S.M.M.T. P.G. College, Ballia, (U.P.) India

Managing Director/ Publisher & Chief Editor

DR. Rajeev Kumar Srivastava

Asst. Prof. Deptt. Of Sociology, Shri Sudrisht Baba P.G. College, RaniGanj, Ballia, (U.P.) India

Aryavart Shodh Vikas Sansthan, Ballia (U.P.) India

Managing Editor:

DR. Vivek Mani Tripathi, Asst. Prof. (Indology), Faculty of Afro-Asian Languages and cultures,

Guangdong University of Foreign Studies, Guangzhou, Guangdong- China

Guest Editor :

Prof. Hu Rui

Deptt. Of Hindi, Vice- Dean, Faculty of Foreign Studies, Guangdong University of Foreign Studies, China

Prof. Vinod Kumar Mishra

Former General Secretary, World Hindi Secretariat, Mauritius,

HOD- Hindi Department, Tripura University, Agartala, (Tripura), India

Associate Editor :

DR. Arti Yadav, Assistant Professor, Dept: Defence and strategic studies, Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur, (U.P.) India

Co-ordinating Editor:

DR. Dilip Srivastava

Dean- Art & Law Faculty, JNC University & Principal, S.M.M.T.D. College, Ballia (U.P.) India

DR. Sudha Trivedi

HOD- Deptt. of Hindi, MOP Women's College, Nugabankam, Chennai (Tamilnadu) India

Prof. Pradeep K. Sarma.

Registrar, Post Graduate and Research Institute. Dakhsin Bharat Hindi Prachar Sabha, Tyagrai Nagar, Chennai (Tamilnadu) India

Executive Editor:

Prof. (DR.) A.R. Khan, Dean- Faculty of Education B R A Bihar University, Muza ffarpur (Bihar) India

Prof. Sarfaraj Ahmad, Ex. HOD- Deptt. of Sociology, Patna University, Patna (Bihar) India

Prof. Mohd. Sarmad Jamal, Principal- Magadh College of Education, Gaya (Bihar) India

Treasurer / Section Editor (Art and Humanities / Education):

Archana Srivastava, Aryavart Shodh Vikas Sansthan & Aryavart Shodh Vikas Patrika, Ballia (U.P.) India



Brief Contents

1. A Study of Alienation Among Muslim and Non-muslim Undergraduate Femal Students	1-3
-1. Prof. A.R. Khan 2. Asrana Perween, Muzaffarpur (Bihar)	
2. Economic Liberalization	4-6
-Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)	
3. From Early Child Development to Human Development	7-9
-1. Prof. A.R. Khan 2. MD AQUIL AZHAR, Muzaffarpur (Bihar)	
4. Start-up-India (Eco system)	10-12
-Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)	
5. Industrial Development, Distribution Problems Policy suggestions and spatial plan for location of Industries in Jaunpur District	13-17
-Vineet Narain Dubey, Ballia (U.P.)	
6. YOGA- A way to decrease stress in life	18-23
-Shaifali Agarwal, Moradabad (U.P.)	
7. THE ROLE OF TEACHERS IN THE COVID-19 TIMES: EDUCATION'S FRONTLINE WORKERS	24-27
- Shazia Fatma, Patna (Bihar)	
8. GENDER DISCRIMINATION IN EDUCATION: A CAUSE OF CONCERN	28-31
- Shazia Fatma, Patna (Bihar)	
9. SABKA SATH SABKA VIKAS AND OUR TAXATION SYSTEM	32-34
- Piyush Mittal, Gorakhpur (U.P.)	
10. Migrant Agricultural Workers in India and the COVID-19 lockdown	35-38
- Shashi Bala, Varanasi (U.P.)	
11. The spirit of Buddhism and the historical introduction of Buddhist religion	39-46
-1. Rajeev Ranjan Kumar 2. Hefang Yao, Guangzhou (China)	
12. Employment of unemployed poor communities with the help of new product	47-48
-1. Purnima Kumari Prajapati 2. Komal Singh 3. Archana vaishya, Amethi (U.P.)	
13. XRD studies of transition metal ions doped in (ZrO ₂) 0.8 (Y ₂ O ₃) 0.2 ceramic compound.	49-51
-1. Om Prakash Gupta, 2. R K Mishra, Kanpur (U.P.)	
14. Development and standardization of biscuits by using jamun seeds powder	52-55
-1. Shashikant Tripathi, 2. Komal Singh, 3. Archana Vaishya, Lucknow (U.P.)	
15. Distress and Depression among Adolescents in context to Educational State	56-58
- Mamata Verma, Ballia (U.P.)	
16. A Review Paper on Enrichment of Bread with Different Types of Multiseeds	59-63
-1. Sandeep Kumar Singh 2. Komal Singh 3. Dr. Archana Vaishya, Amethi, (U.P.)	
17. Interface between Society and Literature	64-68
- Sandeep Rai, Gorakhpur (U.P.)	
18. Women and Gender Equality in Higher Education in India: Issues and Challenges	69-72
- Bharti Kureel, Varanasi (U.P.)	



19. Correlation Between Mass Media And Socio-Economic Status Of School Going Adolescents In Varanasi City - Alpana Singh, Deoria (U.P.)	73-75
20. भारत में ग्रामीण गरीबी एवं रोजगार के बदलते स्वरूप -रूपाली नाग, जौनपुर (उ०प्र०)	76-77
21. नक्सली मनोवैज्ञानिक युद्ध कर्म -अनूप कुमार श्रीवास्तव, गोरखपुर (उ०प्र०)	78-81
22. "मेघदूत" राष्ट्रीयता का उन्मेष -हिमा गुप्ता, कोटा (राजस्थान)	82-85
23. भारतीय संस्कृति एक विरासत, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद तथा वसुधैव कुटुम्बकम् -जनार्दन झा, देवरिया (उ०प्र०)	86-89
24. पर्यावरणीय बोध का उत्कृष्ट महाकाव्य : कामायनी -किरण कुमार, शिमला (हिमाचल प्रदेश)	90-92
25. महाभारत में वर्णित राम का स्वरूप -1. सुमन रानी 2. प्रोफे० मन्जुनाथ एन. अंबिग 1. मद्रास (तमिलनाडु) 2. एणाकुलम (केरल)	93-96
26. हिन्दी दलित कवयित्रियों के काव्य-लेखन में सामाजिक अस्मिता की आहट -नीतू देवी, कानपुर (उ०प्र०)	97-99
27. प्रसार माध्यमों की उपयोगिता -प्रोफे. संतोष सुभाषराव कुलकर्णी, लातूर (महाराष्ट्र)	100-102
28. कालिदास के ग्रन्थों में प्रकृति का आकलन -संध्या पाण्डेय, सतना, (म०प्र०)	103-104
29. अभिमन्यु अनंत के उपन्यासों में प्रवासियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन -1. सीमा दास 2. सीमा चंद्रन, कासरकोड (केरल)	105-110
30. डॉ० श्यौराज सिंह 'बेचैन' की रचनाओं में दलित समाज की यथार्थपरक स्थिती -गुडिया चौधरी, मद्रास (तमिलनाडु)	111-113
31. वीरेंद्र जैन के उपन्यासों में चित्रित स्त्री और परिवारविमर्श -एस.राजलक्ष्मी, चेन्नई (तमिलनाडु)	114-116
32. समसामयिकता के संदर्भ में नागार्जुन-साहित्य का मूल्यांकन -हर्षलता शाह, चेन्नई (तमिलनाडु)	117-119
33. भारत-रूस आर्थिक एवं वाणिज्यिक सम्बन्ध (विशेष सन्दर्भ: वर्ष 1991 ई० से 2005 ई० तक) -विजय सिंह, लखनऊ (उ०प्र०)	120-123
34. शिक्षा समस्याएं और समाधान -चमन सिंह, वाराणसी (उ०प्र०)	124-127
35. श्रीलाल शुक्ल के उपन्यास : अभिव्यंजना शिल्प -जय मंगल प्रसाद यादव, गाजीपुर (उ०प्र०)	128-130
36. मसि कागद छूओं नहीं -आशीष कुमार साव, उत्तर 24 परगना (प० बंगाल)	131-135
37. ई-कचरा अर्थात् इलेक्ट्रानिक कचरा -राजीव कुमार श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०)	136-137
38. हिन्दी और मगही के सार्वनामिक रूप : एक तलनात्मक विवेचन -मुकेश कुमार झा, बलिया (उ०प्र०)	138-141



39. बौद्ध धर्म में महासांघिक विचारधारा का उद्भव एवं विकास - ज्योति राय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	142-146
40. कुषाण शासकों के सिक्कों पर अंकित देवी-देवता -सारिका दुबे, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	147-151
41. वर्तमान सार्वजनिक पुस्तकालय : उपयोगिता, महत्व, समस्याएँ एवं समाधान "एक अध्ययन" -उमेश चन्द्र, सतना (म०प्र०)	152-156
42. विजय दानदेथा : जीवन, परिवेश और साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं का अवदान -संतोष कुमार, पेरिया (केरल)	157-160
43. रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य धाराएं -आभा श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०)	161-164
44. जनांकिकीय आधार पर औद्योगिक विकास की स्थिति : गोरखपुर के विशेष सन्दर्भ में -1. महीष कुमार श्रीवास्तव 2. प्र० करुणाकर राम त्रिपाठी, गोरखपुर (उ०प्र०)	165-168
45. अवक्रमित प्रकृति का संदेश : कोरोना प्रकोप (Massage of Degraded Nature : Corona Virus) -अंजनी प्रसाद दूबे, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	169-172
46. महिलाओं तथा शिशुओं में पोषकता की स्थिति तथा स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा : जनपद हरिद्वार के विशेष सन्दर्भ में -अंजनी प्रसाद दूबे, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	173-176
47. भीष्म साहनी के उपन्यासों में सामाजिक जीवन दृष्टि (विशेष सन्दर्भ: 'नीलू नीलिमा नीलोफर' में प्रेम एक स्वभाविक प्रक्रिया) -किरण यादव, गाजीपुर (उ०प्र०)	177-180
48. स्त्री शोषण में भेद नहीं होता (महाश्वेता देवी के लेखन के सन्दर्भ में) -1.विजय प्रधान 2. श्यामली पाण्डेय, टोंक (राजस्थान)	181-184
49. हिन्दी दलित साहित्य : समीक्षात्मक स्वरूप -शबनम तब्बसुम, अलीगढ़ (उ०प्र०)	185-191
50. रामधारी सिंह दिवाकर के उपन्यासों में चित्रित ग्रामीण जन-जीवन -लक्ष्मी देवी, जम्मू (जम्मू-काश्मीर)	192-195
51. गीतांजलि श्री के कथा-साहित्य में नारी-जीवन -नीलम कुमारी, जम्मू (जम्मू-काश्मीर)	196-199
52. तृतीय योनि और मानव तस्करी के यथार्थ को दर्शाता : गुलाम मंडी -निशा देवी, जम्मू (जम्मू-काश्मीर)	200-203
53. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हिन्दी कविताएँ -ग्लीनसिया सी एक्स, कालामासेरी (केरल) Glinshia CX, Kalamassery (Kerala)	204-206
54. काशीवासी प्रवासी विधवाएं सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति -मंजीत सिंह, जौनपुर (उ०प्र०)	207-210
55. काष्ठ हस्तशिल्प (लकड़ी के खिलौनों के विशेष संदर्भ में) -राजेश कुमार पाल, चित्रकूट (उ०प्र०)	211-213
56. विधवाओं की समाज में भागीदारी -मंजीत सिंह, जौनपुर (उ०प्र०)	214-217
57. ग्रामीण युवकों में नशीले पदार्थों में प्रयुक्त पदार्थ -अखिलेश कुमार सरोज, जौनपुर (उ०प्र०)	218-220
58. सूर्यबाला की कहानियों में स्त्री बोध -हरिश्चन्द्र अग्रहरि, सतना (म.प्र.)	221-223



59. प्राचीन भारतीय लोकतांत्रिक संस्थाएँ एवं पद्धतियाँ : एक अध्ययन -आशुतोष कुमार मिश्रा, ग्वालियर (म0प्र0)	224-226
60. वर्तमान परिदृश्य में विश्वशान्ति और सर्वोदय विचार : एक अध्ययन -पवन कुमार मिश्रा, ग्वालियर (म0प्र0)	227-228
61. जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता एवं पर्यावरणीय संसाधन : एक भौगोलिक अध्ययन -सितेश भारती, रीवा (म0प्र0)	229-232
62. मूर्तिकार श्री अवतार सिंह पंवार -विभावरी सिंह, लखनऊ (उ0प्र0)	233-235
63. उत्तर प्रदेश राज्य के विशेष परिप्रेक्ष्य में, ब्रिटिश विद्रोही 'विमुक्त जनजातियों' की विवेचना -बी के लोधी, प्रयागराज (उ0प्र0)	236-241
64. गोरख पांडे का साहित्य और भोजपुरी जन ध्वनि -संदीप राय, गोरखपुर (उ0प्र0)	242-246
65. जनवादी कवि और आधुनिक युग के कबीर "नागार्जुन" -अर्जुन पासवान, गोहाटी (आसाम)	247-249
66. भारत में सामाजिक स्तरीकरण -विनोद कुमार मिश्र, चित्रकूट (उ0प्र0)	250-252
67. विश्वबोध की संवाहिका कलाकृतियाँ -संजीव किशोर गौतम, लखनऊ (उ0प्र0)	253-254
68. कोरोना का निदान और पं. दीन दयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिता -रामकृष्ण उपाध्याय, बलिया (उ.प्र.)	255-258
69. गाजीपुर जनपद (उ0प्र0) में विपणन केन्द्रों की उत्पत्ति एवं विकास -बब्बन राम मऊ (उ0प्र0)	259-263
70. चीनी संस्कृति में भारतीय बौद्ध धर्म का प्रभाव -राजीव रंजन कुमार, क्वांगचो, (चीन)	264-267
71. महाभारत में नैतिकता की अवधारणा -हू रुई (Hu Rui) क्वांगडोंग, (चीन)	268-272
72. जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य (पद्मविभूषण से सम्मानित) (एक परिचय) -मुकुन्द मोहन पाण्डेय, चित्रकूट (उ.प्र.)	273-275
73. अनुसूचित जाति मुसहरों की पिछड़ेपन की समस्याएँ -मैनेजर प्रसाद, गोरखपुर (उ.प्र.)	276-278
74. कोरोना (COVID & 19) वैश्विक प्रभाव -ममता मणि त्रिपाठी, कुरीनगर (उ.प्र.)	279-281
75. भारतीय दण्ड संहिता में महिलाओं के विरुद्ध अपराध पर कानून -सुजीत कुमार यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	282-286
76. व्यावसायिक चयन में लिंग परक रुढ़ धारणाएँ एवं महिलाओं का उस पर प्रभाव -सुजीत कुमार यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	287-289
77. ग्रामीण समाज की अवासीय दशाएँ -स्मिता यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	290-292
78. कृषि व्यवसाय ग्रामीण जीवन की अर्थ व्यवस्था -सुषमा यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	293-295



79. ग्रामीण भारत एवं सूचना प्रौद्योगिकी (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) -अजीत कुमार, बोध गया (बिहार)	296-298
80. मानवाधिकार : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण -संगीता यादव, आजमगढ़ (उ.प्र.)	299-301
81. आजादी प्राप्ति के पश्चात् महिला शिक्षा का विकास -मो० अंसार आलम अंसारी, दरभंगा (बिहार)	302-304
82. महादलित की अवधारणा -प्रमोद कुमार, बोध गया (बिहार)	305-306
83. ग्रामीण सत्ता संरचना के आधारों में परिवर्तन -रमेश कुमार, बोध गया (बिहार)	307-309
84. अनुसूचित जाति की महिला उत्पीड़न में अभिजात्य वर्ग की भूमिका (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) -सत्येन्द्र कुमार, बोध गया (बिहार)	310-312
85. गद्य विद्याओं पर विजयदेव नारायण साही का समाजवादी चिंतन -विद्या कुमारी, गया (बिहार)	313-314
86. इंटरनेट पर हिंदी का बढ़ता आधिपत्य -विनोद कुमार, फरुखाबाद	315-316
87. स्वयं सहायता समूह की समस्या एवं समाधान -शैलेन्द्र प्रसाद सिंह, बोध गया (बिहार)	317-319
88. HUMAN RIGHTS IN ACCORDANCE WITH A VIEW OF SECOND PHASE OF WOMEN - Manish Kumar Dubey, Kanpur (U.P.)	320-322
89. पुलिसिया पंचतंत्र एवं जनता -बजरंग बहादुर सिंह, आजमगढ़ (उ.प्र.)	323-326
90. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में महामारी कारण एवं निवारण -मनोज कुमार सिंह, सोनभद्र (उ.प्र.)	327-328
91. सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण -रेनू पाण्डेय, सीधी (म०प्र०)	329-330
92. Women Empowerment in Indian Banking Sector : Issues and Challenges - Pankhuri Bhagat, gorakhpur (U.P.)	331-335
93. Social, Environment And Economic Responsibilities Of Sustainable Business In India - Jyoti Prakash, Gorakhpur (U.P.)	336-342
94. A study of Subjective Happiness of Retired Employees in Bihar - Adnaan Ahmad, Kharagpur (West Bengal)	343-345
95. राजेश जोशी का विद्रोही तेवर : नव वामपंथी कविताओं के आईने से -वैजू के, कोच्चि (केरल)	346-349
96. भारत में महिला सशक्तिकरण और पंचायती राज व्यवस्था का : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन -रामाश्रय यादव, आजमगढ़ (उ०प्र०)	350-352
97. भारतीय सामाजिक - राजनीतिक व्यवस्था और पर्यावरण -रामनरेश यादव, बलिया (उ०प्र०)	353-354



98. वर्तमान वैश्विक परिदृश्य एवं भारत	355-358
-आरती यादव, गोरखपुर (उ०प्र०)	
99. मंजूर एहतेशाम के उपन्यासों में चित्रित मध्यवर्गीय समाज की आर्थिक स्थिति	359-361
-सुमन देवी, रोहतक (हरियाणा)	
100. सूचना प्रौद्योगिकी एवं आधुनिक तकनीक से भारत का ग्रामीण विकास	362-368
-अमरनाथ प्रसाद, पटना (बिहार)	
101. गीत-संगीत, फिल्मों, धारावाहिकों का बदलता स्वरूप	369-370
-रेखा कुमारी, (दिल्ली)	
102. पिछड़ी जातियों का राजनीतिक संस्कृति एक समाजशास्त्रीय अध्ययन	371-372
-संजीव कुमार, पटना (बिहार)	
103. विश्वविद्यालय शिक्षकों के बदले आयाम	373-376
- धनजय कुमार, नालंदा (बिहार)	
104. उत्तर-उपनिवेशवाद और एडवर्ड एम सेड-समाजशास्त्रीय विश्लेषण	377-379
- 1. रवि कुमार मिश्र 2. अरविन्द कुमार मिश्र, 1.जौनपुर (उ०प्र०) 2.प्रयागराज (उ०प्र०)	
105. मुख्यमंत्री के रूप में लालू प्रसाद एवं मंडल आयोग	380-382
- रमेश सिंह, जहानाबाद (बिहार)	
106. Growth of Women Entrepreneurship in Bihar	383-385
- HIMANSHU SINGH, Rohtash (Bihar)	
107. Woman Entrepreneurs in India	386-388
- HIMANSHU SINGH, Rohtash (Bihar)	
108. Tourism Planning In India - Assessment	389-391
- Amit Kumar Srivastava, Buxar (Bihar)	
109. महामना का भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में योगदान	392-396
- अस्मित शर्मा, गोरखपुर (उ०प्र०)	
110. आधुनिकता के दर्पण में दलित चिंतन	397-399
- धर्मेश कुमार, गोरखपुर (उ०प्र०)	
111. रेलवे का विकास और उत्तर भारत पर प्रभाव	400-401
- ममता पासवान, गोरखपुर (उ०प्र०)	
112. हिन्दी साहित्य में 'नारी' शब्द के विभिन्न अर्थ	402-404
- निधि श्रीवास्तव, बक्सर (बिहार)	
113. भारत में भ्रष्टाचार का उदय	405-406
- मनोज रजक, जसपुर नगर (छत्तीसगढ़)	
114. बापू द्वारा राष्ट्र की सेवा में स्थापित दक्षिण के सौ वर्ष पुरानी संस्था	407-409
- प्रदीप के० शर्मा, मद्रास (तमिलनाडु)	
115. दलित समुदाय एवं सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूकता (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)	410-411
- प्रमोद कुमार, गया (बिहार)	
116. शिशु के विकास में टीकाकरण जरूरत है या औपचारिकता	412-413
- नित्या कुमारी, बोधगया (बिहार)	
117. निर्धनता उमूलन एवं सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन	414-416
- मो० क्यूम, गया (बिहार)	
118. चम्पारण की थारुओं की जैविक सम्पदा एवं नदियाँ	417-419
- साधु शरण सिंह, नालन्दा (बिहार)	



119. वैवाहिक हिंसा में धन की भूमिका - सुर्यकान्ति कुमारी, पटना (बिहार)	420-422
120. Responsibility of Business Towards Society - Kritika Kiranan	423-425
121. BUSINESS IN THE 21ST CENTURY:E-COMMERCE - KUMAR ADITYA	426-428
122. Differential Impact of Educational Climate On Student Morale of Private And Government Schools - Asha Kumari, Bodh Gaya (Bihar)	429-433
123. भारतीय विदेश नीति में हिन्दुत्ववादी विचारधारा : एक विश्लेषण - विजय कुमार, गोरखपुर (उ०प्र०)	434-438
124. भारतीय ग्रामीण समाज की सामाजिक संरचना - संगीता यादव, आजमगढ़ (उ०प्र०)	439-440
125. भारत में कृषक श्रमिकों उद्भव - दयाशंकर सिंह यादव, चन्दौली (उ०प्र०)	441-443
126. बौद्धकाल में उच्चशिक्षा का स्वरूप - सुनील कुमार मिश्र, मुजफ्फरपुर (बिहार)	444-446
127. मृच्छकटिकस्य रचनाविधानम् - त्रायम्बक नाथ पाण्डेय, बलिया (उ०प्र०)	447-449
128. FUNDAMENTAL PRINCIPLES OF PLAY IN FIELD HOCKEY - Abhinav Singh, Deoria, (U.P.)	450-453
129. राष्ट्ररत्न शिवप्रसाद गुप्त और महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ - 1. निशा राठीर, 2. अभिषेक कुमार गुप्ता, आगरा (उ०प्र०)	454-455
130. LAND HOLDING IN THE GANA SAMGHAS OF BUDDHA'S TIME - Rakesh Kumar singh, Deoria (U.P.)	456-458
131. ROLE OF ICT IN HIGHER EDUCATION - Vineeta, Hathras (U.P.)	459-461
132. Habitual Forms Of Delinquent Behaviour Of Juveniles - Akhil Kumar Saxena, Mainpuri, (U.P.)	462-465
133. ANALYSIS OF A QUEUEING MODEL WITH ROLLBACK/ RECOVERY STRATEGY - 1. DR. RACHNA KHURANA, 2. DR. MANJU SHARMA, Agra, (U.P.)	466-471
134. दलित चेतना का वर्तमान परिप्रेक्ष्य - डॉ० जितेन्द्र कुमार, सम्भल (उ०प्र०)	472-474
135. Right To Fair Trial V. Freedom Of Media: The Conflict - 1. Sanjeev Sharma 2. Riju Nigam, Agra, (U.P.)	475-480
136. प्रातिशाख्यों में वर्णित बल विचार का भाषा वैज्ञानिक महत्व - डॉ० विनीता सिंह, बरेली (उ०प्र०)	481-484
137. Molecular Interaction Of Di-methyl Sulphoxide In Alcohol - DR. SHIV NANDAN, Firozabad, (U.P.)	485-486
138. श्री अरविन्द के दर्शन में विकासवाद और दिव्य जीवन - डॉ० राघवेन्द्र प्रताप मिश्र, कुशीनगर (उ०प्र०)	487-490
139. महामारी का शिक्षा पर गंभीर वैश्विक प्रभाव - आशा बिष्ट, रामगढ़, (झारखण्ड)	491-493
140. पर्यावरण संरक्षण हेतु विधायी प्रावधानों एवं जनचेतना की प्रासंगिकता - डॉ० डी० पी० एस रावत, मुरादाबाद (उ०प्र०)	494-496
141. नाट्य-रूप : परम्परा एवं प्रयोग - आयुष बघेल, वाराणसी (उ०प्र०)	497-502



- | | |
|---|----------------|
| 142. Food, Nutrition, and Identity Across Diverse Populations | 503—504 |
| - DR. Indra Pratap Singh, Ballia (U.P.) | |
| 143. Proper Management And Care Of Dairy Animals | 505—507 |
| - DR. Indra Pratap Singh, Ballia (U.P.) | |
| 144. भारतीय चित्रकला और वैश्विक मंच पर रोजगार के अवसर | 508—511 |
| —डॉ० रश्मि शर्मा, मधुरा (उ०प्र०) | |
| 143. The Need for Financial Literacy Among Youth: A Descriptive Synthesis of Evidence and Policy Imperatives | 512—515 |
| - Shwetam Gupta, 2. DR. Sanjeet Kumar Gupta, Gorakhpur (U.P.) | |